CIMP successfully concludes innovation, design, and entrepreneurship (IDE) bootcamp for PM SHRI schools in Bihar

OUR CORRESPONDENT

PATNA: The Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP), one of the 10 nodal institutions in India selected to host the Innovation, Design, and Entrepreneurship (IDE) Bootcamp, successfully concluded the second day of this prestigious event. Organized by the Ministry of Education's Innovation Cell, AICTE, and the Wadhwani Foundation, the bootcamp aimed to inspire and equip 90 students and 90 teachers from PM SHRI schools across Bihar with the skills needed to become future innovators and entrepreneurs.

Day 2 of the bootcamp featured an immersive schedule of interactive sessions. The day's first session, Customer Discovery Workshop, led by Gauri Gopinath from the Wadhwani Foundation, focused on understanding customer needs and behavior—a crucial step in business development. This was followed by Solution Idea Generation: Making Your Business Stand Out!, where participants explored ways to differentiate their business ideas in competitive markets.

CA Pallavi Jha, Chairperson of the ICAI Patna Branch, conducted an insightful session titled Overview on Grants and Funding Opportunities for Student Startups, providing participants with information on securing financial resources for their startup ideas. Gopinath returned to lead Introduction to Prototyping: Turning Ideas into Tangible Solutions Using Feedback, where participants learned the importance of refining their ideas based on continuous feedback.

The day concluded with a Closing Ceremony, where the distinguished guests shared their insights and congratulated the participants. Yogesh D. Brahmankar, Innovation Director of the Ministry of Education's Innovation Cell, served as the Chief Guest of the event.

He added, "Think of it as an important training program. Once the training is over, take up a small social project in your village or town, and try to involve a few people. This is how you can begin to create meaningful impact."

Sangam Samrat, a student from M.S. Garhi Vishanpur, Lakhirai, said, "The training was highly engaging. I learned new ways to approach problems and find innovative solutions. It has inspired me to apply these skills to real-life challenges and make a difference in my community."

The event ended with certificate distribution.

Morning India ! Page.No-03 ! Dated:13-09-2024

पीएमश्री स्कूलों के छात्रों व शिक्षकों को उद्यमी बनने का मिला प्रशिक्षण

सीआईएमपी में बूटकैंप के फेज-2 का समापन

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता (आईडीई) बूटकैंप के दूसरे दिन कार्यक्रम का समापन हुआ। शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, एआईसीटीई और वाधवानी फाउंडेशन की ओर से इसका आयोजन किया गया था, जिसका उद्देश्य बिहार के पीएम श्री स्कूलों के 90 छात्रों और 90 शिक्षकों को भविष्य के नवाचारी और उद्यमी बनने के लिए प्रेरित और तैयार करना था।

बूटकैंप के दूसरे दिन में इंटरएक्टिव सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। दिन का पहला सत्र, कस्टमर डिस्कवरी वर्कशॉप, वाधवानी फाउंडेशन से गौरी गोपीनाथ की ओर से संचालित किया गया। इसमें प्रतिभागियों को ग्राहक की जरूरतों और व्यवहार को समझने का महत्व बताया गया। इसके बाद सोल्यूशन आइडिया जेनरेशन: अपने व्यवसाय को कैसे अलग बनाएं। सत्र में प्रतिभागियों ने प्रतिस्पर्धी बाजारों में अपने व्यावसायिक विचारों को अलग बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

आईसीएआई पटना शाखा की अध्यक्ष, सीए पल्लवी झा ने छात्र स्टार्टअप्स के लिए अनुदान और वित्तीय अवसरों का अवलोकन विषय पर एक उपयोगी सत्र आयोजित किया, जिसमें प्रतिभागियों को उनके स्टार्टअप विचारों के लिए वित्तीय संसाधनों को प्राप्त करने के तरीके बताए गए। इसके बाद प्रोटोटाइपिंग का परिचय: फीडबैक का उपयोग कर विचारों को मूर्त

समाधान में बदलना सत्र में, गौरी गोपीनाथ ने यह बताया कि लगातार फीडबैक के आधार पर विचारों को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। सीआईएमपी के प्रोफेसर डॉ. अंकित शर्मा ने उनके पिचों पर प्रतिक्रिया और मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। schoolinnovationmarathon.org कार्यक्रम के माध्यम से विजेता छात्रों को 1.5 लाख रुपए तक की फंडिंग और पेटेंट प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

अन्य प्रमुख अतिथियों में सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह, वाधवानी फाउंडेशन से गौरी गोपीनाथ और सीआईएमपी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार, एमएस गरही विषनपुर उपस्थित थे। समारोह का समापन प्रमाणपत्र वितरण के साथ हुआ। आईडीई बूटकैंप ने छात्रों और शिक्षकों को महत्वपूर्ण उद्यमशीलता के उपकरण प्रदान किए और उन्हें नवाचार और समस्या-समाधान के अगले कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

Dainik Bhaskar ! Page.No-04 ! Dated:13-09-2024

आईडीई बूटकैंप ने छात्रों व शिक्षकों को प्रदान किये उद्यमशीलता के उपकरण

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआईएमपी) ने नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता (आईडीई) बूटकैंप के दूसरे दिन का समापन किया। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, एआईसीटीई और वाधवानी फाउंडेशन ने किया था, जिसका उद्देश्य बिहार के पीएम श्री स्कूलों के 90 छात्रों और 90 शिक्षकों को भविष्य के नवाचारी और उद्यमी बनने के लिए प्रेरित और तैयार करना था।

■ सीआईएमपी में आयोजित कार्यक्रम में पीएम श्री स्कूलों के 90 छात्रों और 90 शिक्षकों को भविष्य के नवाचारी और उद्यमी बनने के लिए तैयार करना था

बूटकैंप के दूसरे दिन में इंटरएक्टिव सत्रों की श्रृंखला आयोजित की गई। पहला सत्र कस्टमर डिस्कवरी वर्कशॉप, वाधवानी फाउंडेशन से गौरी गोपीनाथ ने संचालित किया, जिसमें प्रतिभागियों को ग्राहक की जरूरतों और व्यवहार को समझने का महत्व बताया गया। इसके बाद 'सोल्यूशन आइडिया जेनरेशन' अपने व्यवसाय को कैसे अलग बनाएं' सत्र में प्रतिभागियों ने प्रतिस्पर्धी बाजारों में अपने व्यावसायिक विचारों को अलग बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

आईसीएआई पटना शाखा की अध्यक्ष सीए पल्लवी झा ने 'छात्र स्टार्टअप्स के लिए अनुदान और वित्तीय अवसरों का अवलोकन' विषय पर सत्र आयोजित किया, जिसमें प्रतिभागियों को उनके स्टार्टअप विचारों के लिए वित्तीय संसाधनों को प्राप्त करने के तरीके बताए गए। इसके बाद 'प्रोटोटाइपिंग का परिचय' फीडबैक का उपयोग कर विचारों को मूर्त समाधान में बदलना' सत्र में गौरी गोपीनाथ ने यह बताया कि लगातार फीडबैक के आधार पर विचारों को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। समापन समापन समारोह के साथ हुआ, जिसमें विशिष्ट अतिथियों ने अपने विचार साझा किए और प्रतिभागियों को बधाई दी।

Rashtriya Sahara ! Page.No-04
Dated:13-09-2024

उद्यमिता और नवाचार की बारीकियों से हुए अवगत

पटना। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में गुरुवार को नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता (आईडीई) बूटकैंप का समापन किया। बिहार के पीएमश्री स्कूलों के 90 छात्रों और 90 शिक्षकों को भविष्य के नवाचारी और उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करना इस आयोजन का उद्देश्य था।

समापन के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के निदेशक योगेश ब्रह्मणकर ने कहा कि इस कार्यक्रम को एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण

90 छात्र और 90 शिक्षक पीएमश्री स्कूलों के आए

के रूप में लें। समारोह का समापन प्रमाणपत्र वितरण के साथ हुआ। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) सणा सिंह, वाधवानी फाउंडेशन की गौरी गोपीनाथ और सीआईएमपी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार ने विचार व्यक्त किए। इससे पहले दूसरे दिन में विभिन्न सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

Hindustan ! Page.No-06 ! Dated:13-09-2024